RAJAJI INSTITUTE OF BUSINESS STUDIES
LIBRARY
BANGALORE-54

SE – 154

II Semester B.Com. Examination, June/July 2025
(SEP Scheme)
LANGUAGE HINDI (Paper – II)
Kavya Manjusha, Patra Lekhan Aur Sankshepan

Time : 3 Hours | Max. Marks : 80

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या **एक** वाक्य में लिखिए : **(10×1=10)**

1) किसके वचन सुनकर हनुमान जी का हृदय भर आया ?

2) बिहारी के अनुसार किसके बिना बड़ाई व्यर्थ हैं ?

3) मीरा अपने साई के साथ कौन-सा खेल खेलने जाती हैं ?

4) महाराष्ट्र की कुलदेवी कौन हैं ?

5) साहसी लोग छोटी-सी नैया लेकार किसे पार करने का प्रयत्न करते हैं ?

6) रानी कैकेयी की दासी का नाम क्या हैं ?

7) विश्वरूपी युद्ध भूमि में योद्धा कौन हैं ?

8) संयुक्त परिवार में लडते-झगडते ही कौन-कौन साथ में रहते हैं ?

9) 'मन का संतोष' किसकी कविता हैं ?

10) कल तक हम विज्ञान को किसके रूप में पहचानते थे ?

II. निम्नलिखित अवतरणों का ससंदर्भ भाव समझइए : **(2×7=14)**

अ) सैल-बिसाल देखि आगे । ता पर धाई चढेउ भय त्यागे ।।
उमा न कछु कपि के अधिकाई । प्रभु प्रताप जो कालहि खाई ।।
गिरि पर चढि लंका तेहिं देखी । कहि न जाई अति दुर्ग बिसेसी ।।
अति उतंग जलनिधि चहु पासा । कनक कोट कर परम प्रकासा ।।

अथवा

मोहन-मूरति स्याम की अति अद्‌भुत गति जोइ ।
बसतु सु चित्त-अन्तर, तऊ प्रतिबिंबित, जग होई ।।

P.T.O.

Scanned with OKEN Scanner

आ) कुटियो में भी विषम वेदना, महलों में आहत अपमान,
वीर सैनिकों के मन में था अपने पुरखों का अभिमान,
नाना धूंधूपंत पेशवा जूटा रहा था सब सामान,
बहिन छबीली ने रण-चंडी का कर दिया प्रकट आह्वान ।।

अथवा

पर जीवन के महाभारत में
कभी-कभी वह सम्मोहित हो
आसक्ति की शक्ति से,
भर जाता है विरक्ति से ।
तब होता है जन्म
एक नई भगवद्गीता का ।

III. किन्हीं दो कविताओं का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं का परिचय दीजिए : **(2×15=30)**

1) झाँसी की रानी ।

2) वैज्ञानिक युग क्या था ? क्या है ? क्या होगा ?

3) संयुक्त परिवार ।

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : **(1×6=6)**

1) उनको प्रणाम ।

2) जीवन एक युद्ध भूमि ।

Scanned with OKEN Scanner

V. कोई एक पत्र लिखिए : (1×10=10)

1) अमन प्रकाशन, रायबाग रोड, कानपुर के नवीनतम मूल्यसूची माँगते हुए श्री कृष्ण बुक स्टाल, कुवेंपुमार्ग, राजाजीनगर, बैंगलूर की ओर से एक पूछ–ताछ पत्र लिखिए ।

2) माल भेजने में देरी का कारण पूछते हुए वेंकटेश्वर टेक्सटैल्स, शास्त्री मार्ग, कांजीवरम् के नाम पर एक शिकायती पत्र लिखिए ।

VI. निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए : (1×10=10)

नालंदा विश्वविद्यालय का शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा रोब रहा है । दस हजार विद्यार्थी और पंद्रह सौ आचार्य थे । बौद्ध, दर्शन इतिहास, वेद, हेतु विद्या, न्याय शास्त्र, व्याकरण, चिकित्सा शास्त्र, ज्योतिष्य आदि के शिक्षण की व्यवस्था इस विश्वविद्यालय में था । कई विख्यात आचार्यों का नाम नालंदा से जुड़ा था । लेकिन नालंदा के इतिहास में काला धब्बा भी लग गया हैं । यह काला धब्बा नालंदा के पुस्तकालय को लेकर हैं । बख्तियार खिलजी के आक्रमणों से देश की जो सबसे बड़ी हानि हुई वह थी वहाँ के इन पुस्तकालयों को आग के हवाले करना । इस अग्निखुंड में वे अमूल्य ग्रंथ सदा के लिए भस्म हो गए । जिनका उल्लेख मात्र तिब्बती और चीनी ग्रन्थों में मिलता है । तिब्बती विवरणों से पता चलता है कि नालंदा में पुस्तकालयों का एक विशिष्ट क्षेत्र था ।

Scanned with OKEN Scanner